#startupindia

पात्रता मापदंड

चरणों का विवरण और उनकी पात्रता मानदंड इस प्रकार हैं:

EngSUI प्रस्ताव	पात्रता
चरण-I (नवोन्मेष चुनौती अनुदान)	
श्रेणी-I: संकल्पना/प्रोटोटाइप/मॉडल का प्रमाण- अधिकतम सहायता प्रति प्रस्ताव 2 लाख रुपये या कुल प्रस्ताव लागत का 100%, जो भी कम हो, तक सीमित है |	छात्र अन्वेषक सहित कोई भी निवासी भारतीय नागरिक अपने नए विचार को प्रदर्शन योग्य मॉडल/प्रोटोटाइप में विकसित करने के लिए सहायता प्राप्त कर सकता है।
श्रेणी-II : कार्य योग्य मॉडल का निर्माण/प्रक्रिया की जानकारी/जांच एवं परीक्षण/पेटेंटिंग/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आदि (इनोवेशन इनक्यूबेशन)- अधिकतम सहायता प्रति प्रस्ताव 20 लाख रुपये या कुल प्रस्ताव लागत का 100%, जो भी कम हो, तक सीमित है।	कोई भी निवासी भारतीय नागरिक जिसके पास नवीन विचार हों
चरण-II (स्टार्ट अप प्रस्ताव- सीड फंड)	
अधिकतम सहायता प्रति प्रस्ताव 1 करोड़ रुपये तक सीमित है जो कुल प्रस्ताव लागत का 100% तक सीमित है। उद्यम निर्माण की दिशा में विपणन योग्य उत्पाद/प्रक्रिया विकसित करने के लिए पेटेंटिंग/डिज़ाइन पंजीकरण/ट्रेडमार्क रजिस्ट्री/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों को बढ़ाने के लिए सहायता प्रदान की जा सकती है।	स्टार्टअप संस्थाएं जिन्होंने किसी सरकारी संस्थान या एजेंसी के सहयोग से संकल्पना के प्रमाण का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। **वैध डीआईपीपी/डीपीआईआईटी प्रमाणपत्र**
प्रत्यक्ष इक्विटी फंड	
क) आयोजक संस्थान के माध्यम से इक्विटी वितपोषण (ईएफ-एचआई): अधिकतम सहायता प्रति प्रस्ताव 5 करोड़ रुपये तक सीमित है। उद्यम सृजन की दिशा में स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष इक्विटी फंड प्रदान किया जा सकता है।	स्टार्टअप संस्थाएं जिन्होंने विपणन योग्य उत्पाद/प्रक्रिया का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। **वैध डीआईपीपी/डीपीआईआईटी प्रमाणपत्र**
ख) आयोजक संस्थान के अलावा इक्विटी वितपोषण (ईएफ-ओएचआई) अधिकतम सहायता प्रति प्रस्ताव 5 करोड़ रुपये तक सीमित है।	स्टार्टअप संस्थाएं जिन्होंने विपणन योग्य उत्पाद/प्रक्रिया का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है | **वैध डीआईपीपी/डीपीआईआईटी प्रमाणपत्र**